CORPORATE OFFICE
Delhi Office
706 Ground Floor Dr. Mukherjee Nagar Near Batra Cinema Delhi – 110009
Noida Office
Basement C-32 Noida Sector-2 Uttar Pradesh 201301

Yojna IAS
yojnaias.com
योजना है तो सफलता है
website : www.yojnaias.com
Contact No. : +91 8595390705

Date : 10 फ़रवरी 2023

नक्सलवाद

संदर्भ- हाल ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा पिछले चार दशकों में पहली बार वामपंथी उग्रवाद में मरने वालों की संख्या 100 से कम हुई है।

वामपंथी विचारधारा

वामपंथी व दक्षिणपंथी विचारधारा का प्रारंभ फ्रांसीसी क्रांति से माना जाता है जिसमें राजा के समर्थकों को दक्षिणपंथी व राजा के विरोधियों को वामपंथी कहा जाता था। तत्कालीन वामपंथी, आर्थिक व राजनीतिक समानता में विश्वास करते थे। आधुनिककाल में वामपंथी विचारधारा को समाजवादी व साम्यवादी विचारधारा भी कहा जाता है।

- समाजवादी विचारधारा, समाज की लोकतंत्र व स्वतंत्रता पर जोर देती है, यह राजनीतिक रूप से समाज में समानता को परिलक्षित करती है।
- साम्यवादी विचारधारा, समाज की राजनीतिक समानता पर जोर देती है, जिसके तहत वर्ग विहीन समाज होना चाहिए जहाँ वर्ग आधारित कोई असमानता न हो। आर्थिक संसाधनों का सम्पूर्ण समाज पर समान अधिकार होगा। भारत में नक्सलवाद, साम्यवाद का ही एक वर्तमान रूप है।

भारत में साम्यवाद-

- भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के समय दयनीय आर्थिक स्थिति की **परिस्थितियों** में साम्यवाद व समाजवाद जैसी विचारधाराओं का आगमन हुआ।
- भारत में साम्यवादी दल दो गुटों में उभरा, प्रथम जो भारतीय राष्ट्रीय **कांग्रेस** का वामपंथी दल था और लोकतंत्रीय समाजवाद में विश्वास रखता था। द्वितीय जो **अंतर्राष्ट्रीय** आंदोलन के रूप में उभरा जिसे रूस का समर्थन प्राप्त था।
- भारतीय साम्यवादी जो अपने **उद्देश्यों** की पूर्ति हेतु लोकतांत्रिक मार्ग से विलग हिंसा का मार्ग अपना रहे हैं, उन्हें **नक्सलवाद** कहा जाता है।

भारत में नक्सलवाद-

- नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलवाड़ी गाँव से हुई है। नक्सलवाड़ी से ही चारु मजूमदार व कानू सान्याल ने 1967 में प्रशासन के विरुद्ध संघर्ष प्रारंभ किया। जो माओवादी विचारधारा से प्रेरित थे।
- माओवादी विचारधारा, सम्पूर्ण तंत्र को हिंसात्मक तरीके से समाप्त कर नए तंत्र की स्थापना करने पर आधारित थी। इनके अनुसार शोषितों को न्याय दिलाने का यही एक मार्ग है।
- भारत में हिंसात्मक नक्सलवाद के साथ शहरी नक्सलवाद भी एक अन्य भाग है जो अप्रत्यक्ष रूप से नक्सलियों की विचारधारा का समर्थन करता है और युवाओं को नक्सल विचारधारा के लिए प्रेरित करता है।

नक्सलवाद की उत्पत्ति के कारण

- **ऐतिहासिक कारण-** नक्सलवाद के प्रारंभ के समय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रभाव था जिसमें किसानों ने क्रांतिकारी आंदोलनों में प्रमुख योगदान दिया था। स्वतंत्रता आंदोलन में किसानों ने न सिर्फ अंग्रेजों का बल्कि सभी शोषक वर्गों जैसे जमींदारों का विरोध किया था।
- **आर्थिक कारण-** विकास परियोजनाओं के कारण स्थानीय लोगों के विस्थापन के कारण रोष। निर्धन जनता को भ्रष्टाचार के कारण सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता, आँकड़ों में उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर दर्शाया जाता है। जिससे उनकी स्थिति निरंतर खराब होती गई और उन्होंने सशस्त्र विद्रोह का सहारा लिया। झारखण्ड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना आदि राज्यों में नक्सलवाद आर्थिक असमानता के कारण प्रभावित है।
- **सामाजिक कारण-** भारत में एक अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग, दीर्घकाल से शोषित होता आया जब वे मुख्य धारा में शामिल न हो पाएं तब वे हिंसा का सहारा लेते हैं।
- **अशिक्षा-** मुख्य धारा में शामिल न हो पाने के कारण वे शिक्षा से भी दूर हो जाते हैं, अशिक्षा के कारण वे गणतंत्र की शक्ति व नागरिक अधिकारों के ज्ञान से वंचित रह गए, और गणतंत्र का ही विरोध करने लगे।

भारत में नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र

2019 तक भारत में 11 प्रदेशों (पूर्वी, मध्य व दक्षिणी प्रदेश) के 90 जिले नक्सलवाद से प्रभावित थे। इसे रैड कॉरिडोर भी कहा जाता है। नक्सली अब ग्रामीण क्षेत्रों के साथ शहरी क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव छोड़ रहे हैं। इससे वे समस्त देश में अपना अधिकार जमाना चाहते हैं। 2021 में यह 70 जिलों में प्रभावित थे। यह आँकड़े नक्सलवादी गतिविधियों के कम होने की ओर निर्देशित करती है।

नक्सलवाद के प्रति वैधानिक प्रतिक्रिया

भारत के **गैरकानूनी(रोकथाम) अधिनियम 1967** के तहत नक्सलवादी सभी संगठनों को आतंकवादी घोषित किया गया है।

yojnaias.com

सड़को की पहुँच- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 2022 तक नक्सलवादी क्षेत्रों को सड़कों से जोड़कर मुख्य धारा में लाने का लक्ष्य रखा गया था।

रोशनी- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आदिवासी युवाओं को रोजगार देने के लिए 2013 में रोशनी पहल की शुरुआत की गई है जिसके तहत युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण व रोजगार दिया जाएगा।

ऑपरेशन समाधान- नक्सल प्रभाव वाले क्षेत्रों में समाधानपरक रणनीति बनाकर कुशल कार्ययोजना तैयार की जाती है। जिसमें कुशल नेतृत्व, आक्रामक रणनीति, प्रशिक्षण, गुप्तचर व्यवस्था व प्रौद्योगिकी के प्रयोग से परिणामोन्मुखी कार्ययोजना बनाकर नक्सलियों के वित्तपोषण व्यवस्था को विफल करना इस ऑपरेशन का लक्ष्य है इसकी घोषणा 2018 में की गई थी।

गुंजन जोशी

भारत में घरेलू कर्मकार

संदर्भ- हाल ही में गुणगांव में पुलिस ने बुधवार को एक नाबालिग लड़की(घरेलू सहायिका) को प्रताड़ित करने से और मारपीट करने से संबंधित मामला दर्ज किया गया है।

भारत में घरेलू कर्मकार-

किसी निजी घर य घरों में घरेलू कार्यों से संबंधित रोजगार करने वाले घरेलू कर्मकार/कामगार/सहायक कहलाते हैं। जैसे- बेबी सिटर्स, केयरटेकर, सफाई करने वाले लोग, घरेलू नौकर, ड्राइवर, स्वास्थ्य सहायक, हाउसकीपर, नौकरानियाँ, नैनी, निजी नर्स और यार्ड वर्कर आदि। विश्व के सबसे अधिक घरेलू सहायक विकासशील देशों में होते हैं, भारत भी एक विकासशील देश है। ई श्रम पोर्टल के अनुसार भारत में 27908706 घरेलू कामगार कार्य करते हैं। जो भारत में द्वितीय रोजगार की श्रेणी में आता है। प्रथम स्थान पर कृषि का स्थान है।

घरेलू कर्मकार की समस्याएं

- घरेलू कर्मकारों में अधिकतर अशिक्षित महिलाएं कार्य करती हैं, अशिक्षा के कारण उनके अधिकारों का हनन होने की संभावना बढ़ जाती हैं।
- वेतन सुनिश्चित न होने से कामगारों को कम वेतन में ही कार्य करना पड़ता है, जिसमें कम उम्र की बालिकाएं शामिल होती हैं।
- बालिकाओं व महिलाओं का शारीरिक व मानसिक शोषण की संभावना बढ़ जाती है।

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com

घरेलू कर्मकारों की सुरक्षा हेतु विधान

घरेलू कामगार बिल, 2004-2007 के मध्य तैयार किया गया था जिसे राष्ट्रीय महिला आयोग की स्वीकृति प्राप्त है। किंतु इसे संसदीय स्वीकृति प्राप्त नहीं है।

राष्ट्रीय घरेलू कामगार कल्याण आयोग विधेयक 2022- घरेलू आयोग के कल्याण हेतु राष्ट्रीय आयोग की स्थापना के लिए विधेयक जारी किया गया है। आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और तीन सदस्य होंगे। राष्ट्रीय आयोग घरेलू कामगार व उनके परिवारों के कल्याण हेतु ऐसे कदम उठाए जो उचित समझे जाए। इसके तहत –

- कामगारों को घरेलू कामगारों के रूप में मान्यता देना।
- राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में कार्य का नाम व कार्य का स्थान शामिल किया जाए जिससे राष्ट्रीय कामगारों की स्थिति अर्थात स्वनियोजित कामगार व अनुबंधित कामगार के मध्य अंतर को स्पष्ट करना।
- घरेलू कामगारों का पंजीकरण करना व घरेलू कामगार पहचान संख्या जारी करना।
- वेतन, सामाजिक सुरक्षा व सामुदायिक स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना।
- घरेलू कामगारों के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण आयोजित करना।

घरेलू कामगार अखिल भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण

2021 में भारत सरकार ने **श्रम ब्यूरो** को घरेलू कामगार आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य सौंपा। सर्वेक्षण कुल 37 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के 742 जिलों पर आधारित है। जो आगामी रोजगार नीति के लिए एक महत्वपूर्ण डेटा साबित हो सकता है। सर्वेक्षण के उद्देश्य हैं-

- राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर घरेलू कामगारों की संखाय व अनुपात का अनुमान लगाना।
- लिव इन/लाइव आउट के अनुपात का पता लगाना।
- विभिन्न प्रकार के घरों में काम पर रखे गए घरेलू कामगारों की औसत संख्या।

असंगठित कर्मकार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008

असंगठित क्षेत्र से व्यष्टियों या स्वनियोजित कर्मकारों के स्वामित्वाधीन और किसी प्रकार के उत्पाद के उत्पादन या विक्रय में या सेवा प्रदान करने में लगा हुआ उद्यम अभिप्रेत है और जहां उद्यम कर्मकारों को नियोजित करता है वहां ऐसे कर्मकारों की संख्या दस से कम है।

(1) केन्द्रीय सरकार समय-समय पर असंगठित कर्मकारों के लिए निम्नलिखित से संबंधित विषयों के संबंध में उपयुक्त कल्याणकारी स्कीमें विरचित और अधिसूचित करेगी-

- जीवन और नि:शक्तता सुरक्षा
- स्वास्थ्य और प्रसूति फायदे
- वृद्धावस्था संरक्षण; और
- ऐसा कोई अन्य फायदा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा अवधारित किया जाए।

(2) राज्य सरकार, समय-समय पर, असंगठित कर्मकारों के लिए निम्नलिखित से संबंधित स्कीमों सहित कल्याणकारी स्कीमें विरचित और अधिसूचित कर सकेगी, –

- भविष्य निधि;
- नियोजन क्षति फायदा;

- आवासन;
- बालकों के लिए शिक्षा संबंधी स्कीमें;
- कर्मकारों के कौशल का उन्नयन;
- अंत्येष्टि सहायता; और
- वृद्धाश्रम।

गुंजन जोशी

Yojna IAS
योजना है तो सफलता है
yojnaias.com